

**खासा पुं. (अर.)** 1. राज भोज 2. राजा की सवारी का घोड़ा या हाथी 3. एक प्रकार के मलमल का सफेद कपड़ा 4. मोयनदार पूरी **वि. (अर.)** जितना आवश्यक हो उतना, यथेष्ट 2. अच्छा, भला 3. सुंदर, सुडौल 4. भरपूर पूरा **वि. (अर.)** 1. अच्छा, बढ़िया, उत्तम 2. स्वस्थ, नीरोग, सुडौल 3. भरपूर, पूरा।

**खासियत स्त्री. (अर.)** 1. गुण 2. प्रकृति, स्वभाव 3. हुनर 4. प्रभाव, असर।

**खासिया स्त्री. (देश.)** खासिया पहाड़ में रहने वाली अनुसूचित जनजाति।

**खासी वि. (अर.)** 1. राजा के बाँधने की तलवार, ढाल या बंदूक 2. खासिया जनजाति की भाषा 3. **वि. (अर.)** 'खासा' का स्त्रीलिंग रूप।

**खास्तई वि. (फा.)** कबूतर का विशिष्ट रंग।

**खास्सा पुं. (अर.)** स्वभाव, प्रकृति, बान।

**खाहमखाह वि. (फा.)** दे. ख्वाम ख्वाह।

**खिंकिर पुं. (तत्.)** लोमड़ी।

**खिंचना अ.क्रि. (देश.)** 1. खींचा जाना, किसी दिशा में बढ़ना, घिसटना 2. किसी कोश, थैले आदि में से किसी वस्तु का बाहर निकलना 3. किसी वस्तु के एक या दो छोरों का एक या दोनों ओर बढ़ना, तनना 4. किसी ओर बढ़ना या आकर्षित होना, प्रवृत्त होना **मुहा.** चित्त खिंचना- मन मोहित होना; दर्द खिंचना- दर्द दूर होना; हाथ खिंचना- देना बंद होना।

**खिंचाई स्त्री. (देश.)** 1. खींचने की क्रिया 2. खींचने की मजदूरी 3. किसी व्यक्ति की खिल्ली उड़ाना या मजाक करना।

**खिंचाव पुं. (देश.)** 1. खींचे जाने का भाव, तनाव 2. विरक्ति 3. नाराजगी।

**खिंचावट स्त्री. (देश.)** खींचने का भाव, खींचने की क्रिया।

**खिंडाना स.क्रि. (देश.)** इधर-उधर फैलना, बिखराना, छितराना। **प्रयो.** उसने चावल खिंडा दिए।

**खिचड़वार पुं. (देश.)** मकर संक्रांति।

**खिचड़ी स्त्री. (देश.)** 1. दाल और चावल को एक साथ मिला कर पकाने से बनने वाला भोज्य पदार्थ 2. दो या दो से अधिक चीजों की मिलावट 3. विवाह की एक रस्म जिसमें वर और उसके छोटे भाइयों को खिचड़ी खिलाते हैं 4. मकर संक्रांति, इस दिन खिचड़ी दान दी जाती है 5. बेरी या फूल 6. वह पेशगी धन जो वेश्या को ठीक नाच करने के समय दिया जाता है, बयाना, साईं मुहा. खिचड़ी पकना- गुप्त मंत्रणा, साजिश होना; खिचड़ी होना- खल्ल मल्ल होना, बालों का पकना; खिचड़ी खाते पहुँचा उतरना- बहुत मजाक होना **वि. (तद्.)** मिश्रित, मिला-जुला, गड़ड़-मड़ड़, मिश्रित जैसे- आजकल दूरदर्शन पर अंग्रेजी और हिन्दी खिचड़ी भाषा का प्रयोग बहुतायत से हो रहा है।

**खिचना अ.क्रि. (तद्.)** दे. खिंचना।

**खिज पुं. (अर.)** मार्गदर्शक, एक पैगंबर जो अमर माने जाते हैं।

**खिजर पुं. (अर.)** दे. खिज।

**खिजलाना अ.क्रि. (देश.)** चिढ़ना, झुंझलाना, खीजना।

**खिजाँ स्त्री. (फा.)** 1. पतझड़ की ऋतु 2. अवनति का समय, हासकाल।

**खिजाना स.क्रि. (तद्.)** दे. खिझाना।

**खिजाब पुं. (अर.)** सफेद बालों को काला करने की औषध, केश-कल्प।

**खिजालत स्त्री. (अर.)** लज्जा, शर्मिंदगी।

**खिझ स्त्री. (तद्.)** दे. खीझ।

**खिझाना अ.क्रि. (देश.)** खीजना **स.क्रि. (देश.)** चिढ़ाना, छेड़ना, गुस्सा दिलाने वाली बात करना **उदा.** मैया मोहिं दाऊ बहुत खिझायो-सूरदास।

**खिझावना स.क्रि. (देश.)** दे. खिझाना।

**खिड़कना अ.क्रि. (देश.)** चुपचाप कहीं से हट जाना या चल देना, चले जाना, खिसक जाना।

**खिड़काना स.क्रि. (देश.)** 1. अलग करना, टालना, टरकाना, हटाना 2. बेच देना।